

मोड्यूल 9ब : उपचार पहचानना तथा रेफरल पूर्व उपचार करना

सत्र 2 : उपचार के बारे में जानकारी तथा अस्पताल भेजने से पूर्व उपचार

दिवस : 2

समयावधि : 30 मि.

उद्देश्य

सत्र के अंत में आशा में निम्न योग्यता आएंगी:

1. बीमार बच्चे के वर्गीकरण के आधार पर सही उपचार निश्चित करना।
2. शिशु को रेफर करने से पहले क्या सलाह या उपचार (आवश्यक हो तो) देना है यह बताना।

सामग्री तथा तैयारी

- इस मोड्यूल की शुरुआत में दी गई प्रशिक्षण सामग्री की जाँच-सूची देखें। यह सामग्री बीमार शिशु के मोड्यूल में प्रयोग की जाएगी।

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

गतिविधि 1: प्रशिक्षणार्थी 'उपचार जानें' पढ़ें।

बताये कि इस सत्र में जाँच तथा वर्गीकरण चार्ट का अंतिम भाग 'उपचार जानें' के बारे में बताया जायेगा।

गतिविधि 2: प्रदर्शन: उपचार कैसे निश्चित करना है तथा रिकॉर्डिंग फॉर्म के पृष्ठ भाग का प्रयोग करना।

- उपचार के बारे में बतायें। कुछ उदाहरण देकर समझाये।
- दीवार पर लगे चार्ट दिखाकर बतायें कि चार्ट में दिये उपचार के वर्गीकरण को कैसे पढ़ना है। गंभीर निमोनिया के उपचार के बारे में दी सूची दिखाकर ज़ोर से पढ़ें (अथवा किसी से पढ़वायें)। बिना निर्जलीकरण के होने वाले अतिसार (दस्त) के बारे में दिये गये उपचार की सूची ज़ोर-ज़ोर से पढ़ें (अथवा किसी प्रशिक्षणार्थी से पढ़वायें)। किसी प्रशिक्षणार्थी से पेचिश का वर्गीकरण दिखाने को कहें। इसके बाद उस से पेचिश के उपचार के बारे में ज़ोर से पढ़ने को कहें।
- बतायें कि यदि रोग गंभीर रोग के श्रेणी में हो तो रोगी को अस्पताल भेजना पड़ता है।
- बताये कि 'अस्पताल' का क्या अर्थ है – एक स्वास्थ्य संस्था जिसमें बीमार बच्चों को भर्ती करने की सुविधा तथा विशेषज्ञता और अन्य सभी सामान उपलब्ध हों।
- बतायें कि इस भाग में उपचार की विधि नहीं बतायी जायेगी, केवल यह बताया जायेगा कि कौन सा उपचार करना है।

गतिविधि 3: 'उपचार जानने' का अभ्यास

इस अभ्यास में आप निश्चित करेंगी कि बच्चे को तुरंत अस्पताल भेज देना आवश्यक है या नहीं। उचित उत्तर पर निशान लगायें।

1. सरला 11 माह की बच्ची है। उसके रोग का निम्न वर्गीकरण है –
गंभीर निमोनिया, वज़न बहुत कम नहीं तथा एनीमिया।

क्या सरला को तुरंत अस्पताल भेजा जाना चाहिये? हाँ ✓ नहीं -

उसे दिया जाने वाला उपचार बताये -

- कोट्रिमाॅक्सेजोलकी पहली खुराक दें।

- तुरंत अस्पताल भेज दें।

2. नीना 6 माह की बच्ची है। उसके बीमारी का वर्गीकरण है -

दूध नहीं पी पा रही - बहुत गंभीर बुखार रोग

क्या नीना को तुरंत अस्पताल भेजना चाहिये? हाँ ✓ नहीं -

अस्पताल भेजने से पूर्व उसे क्या उपचार देना चाहिये?

- कोट्रिमाॅक्सेजोल की पहली खुराक दें।

- मलेरिया प्रोग्राम निर्देशानुसार स्लाईड बनाने के बाद मलेरिया की दवा की पहली खुराक दें।

- तेज़ बुखार के लिये पैरासीटामोल की एक खुराक दें।

3. हनीफ 7 माह का लड़का है। उसके बीमारी का वर्गीकरण है -

बिना निर्जलीकरण के दस्त तथा बहुत कम वज़न

क्या हनीफ को तुरंत अस्पताल भेजना चाहिये? हाँ - नहीं ✓

4. हबीब 19 माह का लड़का है। उसे

न निमोनिया है, न ही खॉसी जुकाम पर गंभीर कुपोषण है

क्या उसे तुरंत अस्पताल भेजना चाहिये? हाँ ✓ नहीं -

अस्पताल भेजने से पूर्व उसे क्या उपचार दिया जाना चाहिये ?

- विटामिन 'ए' दें

- शरीर में उर्जा बनाये रखने के लिए स्तनपान करवाये, माँ यदि स्तनपान नहीं करा सकती तो स्तनों से दूध निकालकर पिलाएँ, यदि यह भी संभव नहीं तो शक्कर के साथ ऊपरी दूध/ पानी दें (1 कप दूध में 4 चम्मच शक्कर डालकर)

- बच्चे को गर्म रखें।

सारांश

- किसी एक प्रशिक्षणार्थी से पूछें कि केस मैनेजमेंट चार्ट के आधारपर उपचार कैसे सुनिश्चित करें?

सत्र का मूल्यांकन

उद्देश्य	आंकलन विधि
बीमार बच्चे के वर्गीकरण के आधार पर सही उपचार निश्चित करना।	केस उदाहरण
शिशु को रेफर करने से पहले क्या सलाह या उपचार (आवश्यक हो तो) देना है यह बताना।	केस उदाहरण